तर्ज--रिम झिम बरसता सावन होगा

सतगुरू की वाणी पढ़ने से,
जीवन हमारा सुन्दर होगा
भवसागर तर जायेगें,
और बेड़ा पार होगा
1--माया के दुखो से छुटकारा हम पायेगें
धनी कृपा के पात्र बन जायेगें
धनी चरणों का सहारा होगा
2--रहेगे संसार में सुरता होगी निजधाम में
अपनी परआत्म में मिलेगें निजधाम में
मूल मिलावा हमें प्यारा होगा
3-ये माया तो आनी जानी झूठा यह संसार है
राज नाम की वाणी ले लो इससे बेड़ा पार है
सुन्दर समय वह सुहाना होगा

Nijanand App